सांध्य दैनिक 4PM

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 24 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 24 फरवरी, 2022

मैंने देखा है कि काफी हद तक भाग्य उम्मीद के मुताबिक होता है। अगर आप अधिक भाग्य चाहते हैं तो अधिक जोखिम उठाएं। अधिक एक्टिव रहें। अधिक हिस्सा लें।

–ब्रायन ट्रेसी

किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त... 2 | सपा के पाले में मयंक, लखनऊ... 3 | विपक्षी सरकारों ने यूपी के साथ... 7

मीडिया के रवैये से नाराज अखिलेश यादव ने बोला दैनिक जागरण पर तीखा हमला

» भाजपा की नीतियों से किसान, गरीब, नौजवान समेत सभी वर्ग के लोग परेशान

» 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के सामने गिनाईं भावी सपा सरकार की प्राथमिकताएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सात चरणों में होने वाला यूपी विधान सभा चुनाव पांचवें चरण की ओर बढ़ रहा है। प्रदेश से भाजपा सरकार को हटाने का संकल्प लेकर चुनाव मैदान में उतरे सपा प्रमुख अखिलेश यादव ताबड़तोड़ जनसभाएं कर रहे हैं। प्रदेश में सपा गठबंधन की सरकार बनने को लेकर पूरी तरह आश्वस्त दिख रहे सपा प्रमुख

अखिलेश यादव ने अपने अति व्यस्त कार्यक्रम के बीच 4पीएम को विशेष साक्षात्कार दिया। 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने न केवल भाजपा सरकार की नीतियों पर जमकर हमला बोला बल्कि सपा सरकार बनने पर जनता के प्रति अपनी सरकार की प्राथमिकताओं पर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि प्रदेश और जनता का

कहा, सरकार के लोगों से मिलीभगत कर जमीन, प्लॉट और बिल्डिंग बनाने का कर रहे धंधा

विकास उनकी पहली प्राथमिकता है और जनता सपा सरकार द्वारा पूर्व में कराए गए विकास कार्यों को देखकर वोट कर रही है। पहले चार चरणों में साफ हो चुका है कि प्रदेश में सपा की सरकार बनने जा रही है। भाजपा की नीतियों से किसान, गरीब, नौजवान समेत सभी वर्ग के लोगों में आक्रोश है और भाजपा का जाना तय हो चुका है। सपा प्रमुख मीडिया के रुख से भी नाराज दिखे और दैनिक जागरण पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि एक अखबार दैनिक जागरण है, उसे पता नहीं क्या हो गया। कानपुर में किसी ने हमें जानकारी दी है कि वह सरकार के लोगों के साथ मिलकर जमीन, प्लॉट और बिल्डिंग बना रहा है। ये मेट्रो बनाई समाजवादियों ने और पूरा विज्ञापन ले लिया दैनिक जागरण ने। समाजवादी सरकार में कई घोटाले इन्होंने किए तब कार्रवाई हुई थी।

(विस्तृत साक्षात्कार पेज 4-5 पर)

रूस का यूक्रेन पर हमला, भारत में दहशत

दो शहरों पर कब्जा, पूरे यूक्रेन में गोलाबारी कई हवाई और सैन्य अड्डे तबाह

भारत के बीस हजार से अधिक छात्र फंसे निवेशकों के आठ लाख करोड़ डूबे

» भारत सरकार ने जारी की एडवाइजरी, सुरक्षित निकासी के लिए शुरू की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मास्को। रूस ने आज अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर हमला बोल दिया। रूसी मिसाइलों और बम हमलों में यूक्रेन के सात नागरिकों की मौत हो गयी है जबकि नौ अन्य घायल हो गए। रूसी हमले के कारण पूरे यूक्रेन में दहशत और भगदड़ का माहौल है। यूक्रेन ने दावा किया है कि उसने रूस के पांच विमानों को मार गिराया है। वहीं यूक्रेन में बीस हजार से अधिक भारतीय छात्र फंस गए हैं। इसमें पश्चिमी यूपी के कई छात्र शामिल हैं। इससे परिजनों में दहशत का माहौल है। रूस और यूक्रेन के बीच शुरू हुई जंग के कारण भारतीय शेयर बाजार में तीन फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई। शुरुआत के साथ ही सेंसेक्स 1800 अंक से ज्यादा लुढ़क गया। निवेशकों को आठ लाख करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ।

छात्रों की सुरक्षित वापसी कराए सरकारः अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यूक्रेन में फंसे सभी भारतीय प्रवासियों और स्टूडेंट्स को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए भारत सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सक्रिय हो। परिवारवाले यूक्रेन में पढ़ रहे अपने बच्चों की सुरक्षित वापसी के लिए बहुत चिंतित हैं। भारत सरकार तुरंत अपना दायित्व निभाए।

राजधानी कीव समेत पूरे यूक्रेन में गोलाबारी के बाद मार्शल ला लगा दिया गया है। यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का ऐलान कर दिया है।

क्या कहना है रूस का

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में रूस के प्रतिनिधि ने कहा कि पुतिन ने जिस स्पेशल ऑपरेशन का ऐलान किया है वह यूक्रेन के लोगों को बचाने के लिए है जो सालों से प्रताड़ित थे, हम यूक्रेन में नरसंहार बंद करना चाहते हैं। जो भी फैसले हुए हैं वे यूएन चार्टर के आर्टिकल 51 के हिसाब से हैं, हम हालातों पर नजर रखे हुए हैं।

भारत सरकार ने वहां रह रहे अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। वहीं अमेरिका और

वोट बैंक की राजनीति ने दिया तुष्टिकरण को बढ़ावा : मोदी

» निर्दोषों का खून बहाने वाले आतंकवादियों की फांसी पर हैं मौन

» अमेठी में विपक्ष पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। यूपी विधान सभा चुनाव में भाजपा के स्टार प्रचारक पीएम नरेन्द्र मोदी ने आज कांग्रेस के गढ़ अमेठी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि गुजरात की एक अदालत ने बम धमाके में 56 निर्दोष लोगों को मारने वाले 38 आतंकवादियों को फांसी की सजा सुनाई है। इस फैसले का कोई भी दल स्वागत करने की पहल नहीं कर सका। इनको तो वोट बैंक खिसकने का डर है।

पीएम मोदी ने कहा कि डर से इन पार्टियों ने अदालत के फैसले का स्वागत करने तक की भी हिम्मत नहीं दिखाई, उनके मुंह पर ताले लग गए। उन्होंने कहा कि एक समय था जब इन नेताओं ने वोटबैंक की राजनीति से तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया, उसे खाद-पानी दिया। आज वोट बैंक और तुष्टिकरण की इसी राजनीति ने इन नेताओं को अपना बंधक बना लिया है। अब वोट बैंक की राजनीति ही इन दलों की मजबूरी बन गयी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को परिवारवादियों से बचाने के लिए आपको एक बार फिर भाजपा की सरकार को मौका देना होगा। यहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिना किसी भेदभाव के सभी योजनाओं का क्रियान्वयन करा रहे हैं।

किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देंगे : राजनाथ सिंह

» सपा शासन में माफिया कराते थे ट्रांसफर, योगी सरकार में बंध गई घिग्गी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कुशीनगर में कहा कि लक्ष्मीजी हाथी पर बैठकर नहीं आएंगी। लक्ष्मीजी साइकिल पर भी नहीं आएंगी। लक्ष्मीजी हाथ हिलाते हुए भी नहीं आएंगी। वह सिर्फ कमल के फूल पर आएंगी। अबकी बार हमारी सरकारी बनेगी तो होली और दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर मिलेगा। रक्षा मंत्री रामकोला (सुरक्षित) विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी विनय प्रकाश गौड़ के लिए जनसभा को संबोधित करने आए थे। रामकोला कस्बे के पूर्व माध्यमिक विद्यालय के मैदान में जनसमूह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि योगीजी ने हर मोर्चे पर प्रभावी कार्यवाही की है।

कानून व्यवस्था के मुद्दे पर योगीजी की सराहना पूरे देश में हो रही है। सपा शासन में माफिया अधिकारियों का ट्रांसफर करा देते थे, जबकि योगी सरकार आने के बाद अधिकारियों की घिग्घी बंध गई है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था किसी राज्य के विकास की पहली व्यवस्था होती है। हमारे पीएम का संकल्प है कि

देश के सभी जिला मुख्यालयों पर मेडिकल कॉलेज बनें। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि जिस दिन बहुमत मिलेगा, उस दिन अनुच्छेद 370 हटा दूंगा। कश्मीर में अनुच्छेद 370 को 70 साल बाद खत्म कर दिया। भाजपा वर्ष 1984 से कह रही थी कि राममंदिर बनाएंगे और आज राममंदिर बना दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि दुनिया के किसी देश में ऐसी योजना लागू नहीं हुई है, जो हमारे प्रधानमंत्री ने लागू की है। हम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहे हैं। देश के सभी घरों को नल और जल पहुंचेगा। आयुष्मान कार्ड जैसी योजना पूरी दुनिया में कहीं नहीं है। आप सभी से अपील है कि आपका समर्थन भाजपा को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा राहुल ने कहा कि भारत के ज्यादा सैनिक मारे गए, चीन के चार सैनिक मारे गए, लेकिन मैंने कभी खुलासा नहीं किया। विश्व के बड़े खुफिया रिपोर्टर ने खुलासा किया कि चीन के 35 से 40 सैनिक मारे गए। उरी और पुलवामा पर पाकिस्तान ने हमला किया। गृह मंत्री होने के नाते मैंने मृत जवानों को कंधा दिया। उसका दर्द आज भी सालता है। हमारे जवानों ने एयरस्ट्राइक करके पाकिस्तान के आतंकियों का सफाया किया। हेमें जिसने आंख दिखाने का प्रयास किया, उसके हम बाउंड्री के इस पार और उस पर भी जाकर मारेंगे। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि बाबा आए तो उन्होंने बुलडोजर चलाकर सबको ठीक कर दिया। हम किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देंगे। भाजपा की सरकार बनी तो ट्रिपल इंजन की सरकार बनेगी।

चौथे चरण में ही भाजपा के लिए सत्ता का रास्ता प्रशस्त : सुधांशु त्रिवेदी

» मुद्दा विहीन विपक्ष पूरी तरह साफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा चौथे चरण में लखनऊ समेत 9 जिलों में हुए मतदान का रूझान देखकर ही स्पष्ट हो गया है कि भाजपा की सत्ता में वापसी का रास्ता प्रशस्त हो गया है। उन्होंने दावा किया कि अब तक हुए मतदान ने ही भाजपा के सरकार बनाने का रास्ता साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे हताश व निराश हो चुके विपक्षी नेताओं की भाषा व भाव भंगिमा पूरी तरह से विक्षिप्त जैसी हो गई है।

प्रदेश मुख्यालय में उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं की हताशा का आलम यह है कि तीसरे चरण में सपा प्रमुख अखिलेश यादव जहां चुनावी रैली में पुलिस कर्मियों पर अभद्र टिप्पणी करते हुए दिखे, वहीं पांचवे चरण के चुनावी रैली में भी उन्होंने संपूर्ण विश्व में शांति का संदेश देने वाले भगवान बुद्ध की प्रतिमा को तिरस्कार पूर्वक हटाते हुए उसे लेने से इंकार करके निन्दनीय काम

किया है। भगवान राम, कृष्ण और बुद्ध के प्रति वे दिल से कैसा दुर्भाव रखते हैं, यह आज की घटना से स्पष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख के लिए आतंकवाद के आरोपियों का समर्थन करना इनके उसूल की बात है। आज सारे विपक्षी नेता घर बचाने में जुटे हैं। मायावती घर में बैठी हैं और अखिलेश अपने पिता के घर में जाकर अपनी जमीन बचाने के लिए पूरे कुनबे के साथ जद्दोजहद में व्यस्त हैं। तीसरी ओर प्रियंका, भाई और मां के घर की राजनैतिक इज्जत बचाने में ही जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि चुनावी माहौल से स्पष्ट है कि मुद्दा विहीन विपक्ष पूरी तरह साफ है।

अजय राय को चुनाव आयोग का नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चुनाव में पिंडारा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय को चुनाव आयोग ने नोटिस जारी किया है। यह नोटिस प्रधानमंत्री और राज्य के मुख्यमंत्री के खिलाफ कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में जारी किया गया है। अजय राय को जवाब देने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है। नोटिस में 31 जनवरी को राय के फेसबुक लाइव का हवाला दिया गया, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। आदर्श आचार संहिता के एक प्रावधान का उल्लेख करते हुए नोटिस में कहा गया है कि चुनाव प्रहरी का मानना है कि कांग्रेस नेता ने इसका उल्लंघन किया है।

अयोध्या में सपा और भाजपा में कांटे की टक्कर

» धर्म और कर्म की धुरी पर घूम रही अयोध्या की सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की सियासत के केन्द्र बिंदु में रहने वाली अयोध्या फिर से उसी भूमिका में है। भाजपा, बसपा, आप जैसे कई दलों के नेताओं ने घोषित-अघोषित रूप से यहीं से विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया। अयोध्या को भुनाने की कोशिश की। साफ है कि अयोध्या अब भी सियासत की अंतर्धारा में तेजी से बह रही है। सबके लिए अयोध्या नाक का सवाल बन गई है।

भाजपा इस पर वर्चस्व बनाए रखकर बदली परिस्थितियों में अपने विचारों व सियासी पकड़ का संदेश देना चाहती है। बहरहाल, अयोध्या पर सियासी कब्जे के लिए सभी प्रमुख दलों नें अपने योद्धाओं को मैदान में उतार दिया है। दशकों से इस पर कब्जा बरकरार रखने वाली भाजपा ने विधायक रहे वेद प्रकाश गुप्ता को फिर से आगे बढ़ाया है, तो सपा ने पिछले चुनाव में असफल होने वाले तेज नरायन पांडेय पवन को प्रत्याशी बनाया है। बसपा ने नए प्रत्याशी रवि मौर्य को, तो कांग्रेस ने नौ साल बाद महिला प्रत्याशी रीता मौर्य को उतारा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के दर्शन-पूजन के बाद उत्साहित आप ने जिले की अन्य सीटों के साथ ही यहां भी प्रत्याशी उतार दिया है। भाजपा और सपा प्रत्याशियों को लंबा सियासी अनुभव है। भाजपा प्रत्याशी वेद प्रकाश गुप्त चौथी बार चुनाव मैदान में हैं। वे वर्ष 2007 के चुनाव में सपा और 2012 के चुनाव में बसपा के टिकट पर अखाड़े में उतरे थे, लेकिन दोनों बार हार गए। दल बदल कर 2017 में भाजपा के टिकट पर मैदान में उतरे और विधानसभा पहुंचे। सपा प्रत्याशी तेज नरायन पांडेय पवन लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति की उपज हैं। पार्टी ने उन्हें 2012 के चुनाव में अयोध्या विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया और वे चुनाव जीते भी। यह पहला मौका था, जब 1991 के बाद अयोध्या में भगवा ब्रिगेड को शिकस्त मिली, लेकिन सपा के टिकट पर ही 2017 के चुनाव में वे हार गए। एक बार फिर सपा ने उनको इस वीआईपी सीट से अपना प्रत्याशी बनाया है। बसपा प्रत्याशी रवि मौर्य पार्टी के काडर के नेता हैं। वे पहली बार चुनावी मैदान में आए हैं, तो कांग्रेस से रीता मौर्य का भी यह पहला सियासी इम्तिहान है। चुनाव की जंग में यहां हमेशा ही भाजपा और सपा आमने-सामने रही है। इस बार भी इन्हीं दोनों के बीच लड़ाई के आसार बन रहे हैं। आम लोगों की नजर में सपा प्रत्याशी तेज नरायन पांडेय व्यवहार कुशल, मुखर और लोगों के बीच बने रहे हैं। उन्हें ज्यादा बोलने और मुद्दों को गढ़ने वाला कहा जाता है।

2017 के चुनाव परिणाम

वेद प्रकाश गुप्ता, भाजपा	1,07,014
तेज नारायण,सपा	56,574
मो. बज्मी सिद्दीकी, बसपा	39,554

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

लखनऊ में 61 फीसदी मतदान : अभिषेक प्रकाश

» चौथे चरण में नौ जिलों की 59 सीटों पर 61.65 फीसदी वोट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव के चौथे चरण का मतदान कल संपन्न हो गया। नौ जिलों की 59 सीटों पर 61.65 फीसदी वोटरों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं डीएम अभिषेक प्रकाश के अनुसार लखनऊ में 61 फीसदी मतदान हुआ। यह अब तक का सबसे अधिक मत प्रतिशत है। इसके साथ ही 624 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। सबसे ज्यादा मतदान पीलीभीत में 67.16 फीसदी हुआ। सबसे कम उन्नाव में 57.73 फीसदी मतदान हुआ।

पीलीभीत की बरखेरा सीट पर सर्वाधिक 69.39 फीसदी लोगों ने मतदान किया। सीतापुर सीट पर सबसे कम 52.60

फीसदी ने मतदान किया। चौथे चरण में आदर्श चुनाव संहिता के उल्लंघन की कुल 362 शिकायतें मिलीं। इनमें 71 शिकायतें सही मिलने पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा 64 बैलट यूनिट और कंट्रोल यूनिट में शिकायत मिलने के बाद उसे बदला गया। मतदान के दौरान 313 वीवीपैट में खराबी आई, जिसे बदला गया।

अब पूर्वांचल पर निगाहें

चौथे चरण के मतदान के साथ ही यूपी चुनाव ने आधे से अधिक सफर पूरा कर लिया। अब तक 231 सीटों पर मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अगले 12 दिनों में बाकी तीन चरणों में बची 172 सीटों का चुनाव भी संपन्न हो जाएगा। अब तक के चार चरणों की बात करें तो पहले चरण में 62.83 प्रतिशत, दूसरे चरण में 65.11 प्रतिशत और तीसरे चरण में 62.49 प्रतिशत मतदान हुआ था।

करहल में पुनर्मतदान में 75.83 फीसदी वोट पड़े

मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र के गांव जसवंतपुर में पुनर्मतदान शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। पुनर्मतदान में जसवंतपुर के मतदाताओं ने पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। मतदाताओं के उत्साह के चलते यहां 75.83 प्रतिशत वोट पड़े। मतदान के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। 20 फरवरी को इसी बूथ पर कुल 72.50 फीसदी वोट पड़े थे। पुलिस के साथ ही अर्धसैनिक बल के जवान मतदान केंद्र पर तैनात रहे। शाम को मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद ईवीएम को नवीन मंडी स्थित स्ट्रांग रूम तक पहुंचाया गया।

सपा के पाले में मयंक, लखनऊ में असर अब प्रयागराज साधने की रणनीति!

» भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक सपा प्रत्याशियों से कर रहे मुलाकात

» ब्राह्मण वोट बैंक को सपा के पक्ष में गोलबंद करने की रणनीति

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। यूपी चुनाव में चौथे चरण की वोटिंग से चंद घंटे पहले बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मुलाकात क्या कर ली, भाजपा के लिए टेंशन बढ़ गई। एक भाजपा पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि उच्च नेतृत्व में इस पूरे मामले में रिपोर्ट मांगी है। फिलहाल अखिलेश के साथ मयंक की तस्वीर आने के बाद सूबे की सियासत गर्मा गई है, जिसके सियासी मायने भी निकाले जा रहे हैं।

चौथे चरण के मतदान के बाद इसे लखनऊ से प्रयागराज तक राजनीतिक संदेश देने की रणनीति मानी जा रही है? सांसद रीता बहुगुणा जोशी के बेटे मयंक जोशी आखिरकार सपा की चौखट पर पहुंच ही गए। सूबे में चौथे फेज के मतदान की पूर्व संध्या (22 फरवरी) पर मयंक जोशी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से गुपचुप मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच करीब घंटेभर बातचीत हुई। इसे सियासी नजरिए से अहम माना जा रहा है। अखिलेश-मयंक जोशी की मुलाकात को ब्राह्मण वोटबैंक को सपा के पक्ष में गोलबंद करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि अभी भी मयंक जोशी के सपा में शामिल होने का आधिकारिक ऐलान नहीं हुआ है लेकिन, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने जिस तरह से लखनऊ में वोटिंग से चंद घंटे पहले मयंक जोशी के साथ फोटो शेयर की है और शिष्टाचार मुलाकात की बात की है। ऐसे में चौथे चरण की लखनऊ की सीटों पर सियासी प्रभाव जरूर पड़ा होगा। फिलहाल दस मार्च को साफ होगा कि मयंक की मुलाकात सपा के लिए कितना फायदेमंद रही।

प्रयागराज की सीटों पर पड़ेगा सीधा असर

माना जा रहा है कि इसी के बाद से मयंक जोशी नाराज चल रहे थे और रीता बहुगुणा जोशी अभी तक कहीं चुनावी प्रचार में नजर नहीं आई हैं। ऐसे में लखनऊ में वोटिंग से ठीक एक दिन पहले मयंक जोशी और अखिलेश यादव के बीच मुलाकात की तस्वीर सामने आई, जिसका सियासी असर लखनऊ की कैंट सीट पर पड़ने के साथ-साथ पांचवे चरण में प्रयागराज जिले की सीटों पर भी पड़ सकता है, जहां से रीता बहुगुणा जोशी सांसद हैं। लखनऊ और प्रयागराज दोनों ही रीता बहुगुणा जोशी की कर्मभूमि रही है। रीता बहुगुणा प्रयागराज से पहले मेयर रही हैं तो अब सांसद हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में लखनऊ संसदीय सीट से राजनाथ सिंह के खिलाफ चुनाव लड़ चुकी हैं और दूसरे नंबर पर रही थी। ऐसे में लखनऊ और प्रयागराज दोनों ही जगह पर रीता बहुगणा जोशी का सियासी प्रभाव माना जाता है।

लखनऊ कैंट सीट पर उत्तराखंडी वोट रहें अहम

लखनऊ कैंट विधानसभा सीट पर बड़ी संख्या में ब्राह्मण मतदाता हैं, जिसमें ज्यादातर उत्तराखंड के लोग हैं। रीता बहुगुणा सांसद बनने से पहले लखनऊ कैंट सीट से दो बार विधायक रह चुकी हैं। 2012 में पहली बार इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक बनी थीं और दोबारा 2017 में बीजेपी से चुनी गई थीं, जिसके बाद योगी सरकार में मंत्री बनीं। 2019 के लोकसभा चुनाव में रीता बहुगुणा प्रयागराज से सांसद बन गईं, जिसके बाद उन्होंने विधायकी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद उपचुनाव में कैंट सीट पर बीजेपी से सुरेश तिवारी विधायक बने थे। वहीं 2022 के विधान सभा चुनाव में लखनऊ कैंट सीट से रीता ने अपने बेटे मयंक जोशी के लिए बीजेपी से टिकट की मांग रखी। रीता ने उस समय कहा था कि मेरा बेटा 12 साल से बीजेपी में काम कर रहा है, ऐसे में उसने टिकट मांगा है। अगर पार्टी उनके बेटे को टिकट देती है, तो वे सांसद पद से इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं। इतना ही नहीं, वो 2024 लोकसभा चुनाव भी नहीं लड़ेंगी। बावजूद बीजेपी ने मयंक के बजाय कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक को प्रत्याशी बना दिया।

सपा ने ब्राह्मणों को दिया सियासी संदेश

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मतदान से पहले मयंक जोशी को घर बुलाकर बड़ा सियासी दांव चला है। एक तरफ लखनऊ कैंट सीट पर रीता बहुगुणा के समर्थकों को सियासी संदेश दिया तो दूसरी तरफ ब्राह्मण वोटबैंक को साधने का प्रयास किया है। यूपी का चुनाव अब जिस तरह से अवध और पूर्वांचल के इलाके में है, जहां पर ब्राह्मण वोटर काफी अहम है। योगी सरकार पर ब्राह्मणों की अनदेखी का आरोप लगातार विपक्ष लगाता रहा है, जिसके चलते ब्राह्मणों को साधने के लिए तमाम पार्टियां सक्रिय है। ऐसे में अखिलेश ने मयंक जोशी के जरिए बड़ा सियासी दांव चला है।

मयंक जोशी की अपनी भी सियासी पकड़

मयंक जोशी ने पढ़ाई पूरी करने के बाद मल्टीनेशनल कंपनी में नौकरी भी की थी। मयंक जोशी अपनी मां रीता बहुगुणा के लिए सबसे पहले 2012 में लखनऊ कैंट सीट पर चुनावी प्रचार की कमान संभाली थी। 2017 चुनाव में भी भाजपा के लिए कैंट विधानसभा सीट पर प्रचार अभियान में उतरे थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में अपनी मां के लिए लगातार प्रचार अभियान में जुटे रहे। ऐसे में लखनऊ और प्रयागराज दोनों जगह पर मयंक जोशी की अपनी भी सियासी पकड़ है। ऐसे में अब देखना यह होगा कि ऐन वक्त पर मयंक जोशी की अखिलेश से मुलाकात सपा के लिए कितना फायदेमंद साबित होती है?

बीजेपी ने रीता के बेटे को नहीं दिया टिकट

बीजेपी सांसद रीता बहुगुणा जोशी अपने बेटे मयंक जोशी के लिए बीजेपी से लखनऊ कैंट विधान सभा सीट से टिकट मांग रही थीं। इसके लिए रीता बहुगुणा ने अपनी लोकसभा सीट छोड़ने तक का प्रस्ताव दिया था। इसके बावजूद बीजेपी ने उनके बेटे को टिकट नहीं दिया और इस सीट से बृजेश पाठक को प्रत्याशी बना दिया। इसके बाद से ही मयंक जोशी के सपा में जाने की चर्चाएं चल रही थीं।

अब यूपी के अखाड़े में उतरेंगे उत्तराखंड के नेता, भाजपा-कांग्रेस ने बनायी रणनीति

» कांग्रेस से हरीश रावत तो भाजपा ने तैयार की 70 नेताओं की लिस्ट

» यूपी में अभी तीन चरणों का बाकी है चुनाव, अपनी-अपनी पार्टी का करेंगे प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड चुनाव संपन्न हो जाने के बाद अब यहां के दिग्गज कांग्रेसी और भाजपा नेता उत्तर प्रदेश के चुनावी अखाड़े में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। एक तरफ भाजपा ने यूपी में चुनाव प्रचार के लिए उत्तराखंड से अपने 70 नेताओं की लिस्ट तैयार की है तो कांग्रेस की तरफ से फिलहाल पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत यूपी में उत्तराखंडी चेहरे के तौर पर प्रचार करने आ रहे हैं।

उत्तराखंड सरकार में मंत्रियों समेत कई विधायकों और संगठन के कुछ नेताओं वाली 70 लोगों की टीम भाजपा ने बनाई है, जिसे यूपी के चुनाव प्रचार मैदान में उतारा जा रहा है। इनमें प्रमुख रूप से मुख्यमंत्री पुष्कर धामी और उनके कैबिनेट मंत्री हैं। महेंद्र भट्ट, संजीव चौहान, खजान दास, रामसिंह कैड़ा और हिमांशु चमोली जैसे कई विधायकों के नाम भी शामिल हैं। इनके अलावा, प्रदेश संगठन के कुछ पदाधिकारी भी इस लिस्ट में हैं। कांग्रेस के चुनाव अभियान प्रभारी रहे हरीश रावत का साफ कहना है कि भाजपा को इन प्रचारकों से कोई फायदा होने वाला नहीं है। इन दिनों उत्तराखंड में मतगणना से पहले जहां भाजपा के भीतर कलह की सुर्खियां हैं तो कांग्रेस में मुख्यमंत्री चेहरे को लेकर बयानबाजी जारी है। 'सीएम बनूंगा या घर बैठूंगा' जैसा दोटूक बयान दे चुके रावत साफ कर चुके हैं कि वह खुद यूपी चुनाव में प्रचार के लिए जा रहे हैं। हालांकि अभी तक उनका कार्यक्रम स्पष्ट नहीं हुआ है और इसे भी लेकर चर्चा है कि उत्तराखंड कांग्रेस के और कौन से नेता यूपी में चुनाव प्रचार के लिए जा सकते हैं। भाजपा और कांग्रेस से नेताओं के उत्तर प्रदेश चुनाव में जाने को लेकर उत्तराखंड में सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चर्चा यह भी है कि हरीश रावत प्रचार के मंच पर गए तो क्या कांग्रेस उन्हें उत्तराखंड के कांग्रेस नेता के रूप में पेश करेगी या फिर सिर्फ पूर्व सीएम के तौर पर। हालांकि इस खींचतान के सिलसिले में हरीश रावत ने हाल में यह भी कह दिया था कि उत्तराखंड में कांग्रेस की सरकार बनने पर सीएम का फैसला सोनिया गांधी ही करेंगी।

25 फरवरी से मैदान में उतरेंगे राहुल

नई दिल्ली। लोक सभा चुनाव में अमेठी से हारने के बाद भी राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार की शुरुआत वहीं से करेंगे। राहुल चार चरणों के मतदान के बाद पांचवें व सातवें चरण का प्रचार करेंगे। राहुल अमेठी के साथ पार्टी के पुराने गढ़ प्रयागराज में भी 25 फरवरी को प्रचार करेंगे। राहुल के लोकसभा चुनाव में अमेठी से हारने के बाद पार्टी नेतृत्व खासकर प्रियंका चाहती हैं कि विधान सभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन रहे। रायबरेली के साथ अमेठी में भी पार्टी पूरी ताकत झोंकना चाहती है ताकि संदेश दिया जा सके। प्रियंका को इन दोनों लोक सभा क्षेत्रों से कुछ सीट जीतने की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी यूपी चुनाव में प्रचार का आगाज अमेठी और प्रयागराज से करेंगे। इन दोनों जिलों में पांचवें चरण में 27 फरवरी को मतदान होगा। अमेठी से राहुल गाधी कई बार सांसद रह चुके हैं।

सरकार बनी तो पत्रकारों पर लगे मुकदमे होंगे वापस : अखिलेश

किसान, गरीब, रोजगार, कानून व्यवस्था, पर्यावरण समेत अहम मुद्दों पर समाजवादी सोच का खींचा खाका भाजपा के वादों को बताया जुमला, बोले, सपा गठबंधन की बनने जा रही है सरकार

> जब मैं सीएम था तो 4पीएम भी मेरे खिलाफ सबसे ज्यादा खबरें छापता था। अफसर लाकर दिखाते थे पर मैं तो यह कहता था कि ऐसी खबरें जानकारी देने के लिए होती हैं।

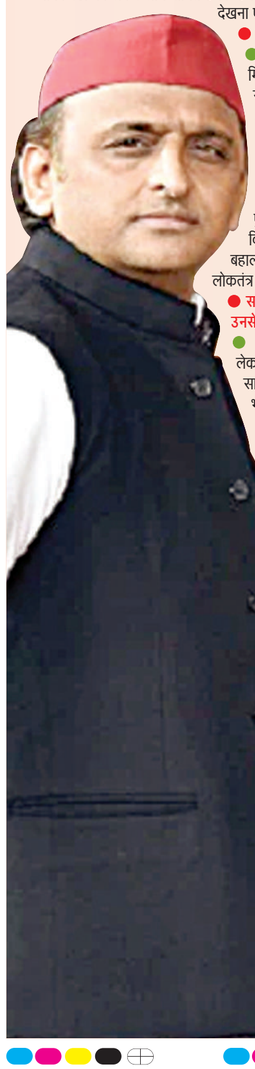

लखनऊ। यूपी विधान सभा के चौथे चरण का मतदान संपन्न हो चुका है। अभी तीन चरणों का मतदान शेष है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं। बेहद व्यस्त समय में 4पीएम को दिए साक्षात्कार में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने किसान, नौजवान, गरीब, रोजगार, कानून-व्यवस्था, पत्रकारों पर दर्ज मुकदमों समेत विभिन्न मुद्दों को लेकर न केवल प्रदेश की भाजपा सरकार पर जोरदार हमला बोला बल्कि इन मुद्दों पर समाजवादी सोच का खाका भी खींचा। अखिलेश ने कहा, भाजपा के घोषणा पत्र का हर वादा जुमला निकला। चार चरणों के मतदान से साफ हो चुका है कि प्रदेश में सपा गठबंधन की सरकार बनने जा रही है और भाजपा का सफाया तय है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव से 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने सूबे की राजनीति से लेकर तमाम अहम मुद्दों पर सवाल पूछे और अखिलेश यादव ने सभी सवालों का जवाब बड़ी बेबाकी से दिया। पेश हैं साक्षात्कार के कुछ प्रमुख अंश।

● यह चुनाव पिछले चुनाव से कितना अलग है?

● यह चुनाव पिछले चुनाव से अलग है क्योंकि इस बार जनता भाजपा के खिलाफ खुद चुनाव लड़ रही है। समाजवादी पार्टी जनता के साथ खड़ी है। गठबंधन उनके साथ है। जनता परिवर्तन चाहती है। भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया। उसका हर वादा जुमला निकला। यूपी का नौजवान परेशान है। भाजपा ने बड़े-बड़े सपने दिखाए। इंवेस्टमेंट मीट और डिफेंस एक्सपो लगाने की बातें की गयी। जनता को जो सपना दिखाया गया हकीकत में वैसा कुछ नहीं हुआ। अब प्रदेश की जनता जान चुकी है कि भाजपा नेताओं से ज्यादा झूठ और कोई नहीं बोल सकता।

● इस बार भाजपा की प्रिय पिच पर आप फंस नहीं रहे हैं ?

● नहीं, भाजपा को चाहिए कि वह अपने संकल्प पत्र को पलट कर देखें। उसने अपने संकल्प पत्र में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। आज किसान जानना चाहता है कि आय दोगुनी हुई या नहीं? किसानों की आय दोगुनी नहीं हुई। किसानों के गन्ने का भुगतान नहीं हुआ। बिजली महंगी कर दी। किसानों को खाद नहीं दे पाए। डीएपी नहीं दे पाए। छुट्टा जानवर किसानों की फसल बर्बाद कर रहे हैं। सांड़ सड़कों पर घूम रहे हैं। बुंदेलखंड जैसी जगहों पर लोगों का पलायन हो रहा है। लोगों को अभी भी याद है कि किस तरीके से लॉकडाउन में घर-परिवार के लोग पैदल चलकर आए। जनता को सब याद है इसलिए वह भाजपा के खिलाफ खड़ी हो गयी है।

● गर्मी निकाल दूंगा, जैसी भाषा का इस्तेमाल लोकतंत्र में क्यूं?

● भाजपा बौखलायी है। उन्हें पता है वे हारने जा रहे हैं, लिहाजा ऐसे बयान दे रहे हैं। लोकतंत्र में ऐसी भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। ठोक दो, गर्मी निकाल देंगे, तमाम लोग ऐसे है जो कह रहे हैं कि घोर परिवारवाद, उनको दूसरी पार्टी का परिवारवाद दिखता है लेकिन अपनी पार्टी का नहीं। उन्होंने मध्य प्रदेश के नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को अपनी पार्टी में शामिल किया। उनकी बुआ क्या हैं? ठीक इसी तरह यहां जो नेता है भाजपा के, दो पूर्व मुख्यमंत्री, उनके बेटे क्या हैं? उनके बेटे के बेटे क्या है? आज जो मुख्यमंत्री खुद कुर्सी पर बैठे हैं, क्या वे परिवारवाद की वजह से कुर्सी पर नहीं बैठे हैं। भाजपा को अपना परिवारवाद नहीं दिखाई दे रहा है।

● डिंपल और रामगोपाल प्रचार नहीं कर रहे, आप अकेले हीरो बने हुए हैं?

● वे लोग भी प्रचार कर रहे हैं, जगह-जगह जा रहे हैं और आने वाले समय में जाएंगे लेकिन जहां चुनाव में समय कम है, दिन कम है। प्रत्याशी ज्यादा कार्यक्रम नहीं चाहते। कम कार्यक्रम में वे अपना पूरा प्रचार कर रहे हैं। मैं समझता हूं कि जब समय कम हो तो बहुत ज्यादा प्रत्याशियों को डिस्टर्ब नहीं करना चाहिए।

● इस बार फ्री हैंड हैं अखिलेश यादव?

● फ्री हैंड मैं पहले भी था पर इस बार डे वन की तैयारी से लेकर आज तक। वर्कर्स की ट्रेनिंग, मेनिफेस्टो को लेकर लोग सोचते है कि हम फ्री हैंड है पर चुनाव में समय के हिसाब से सब देखना पड़ता है।

● पुरानी पेंशन का मुद्दा कहां से आया आपके पास?

● समय-समय पर कर्मचारी संगठन के लोग मुझसे मिले और उन्होंने पुरानी पेंशन बहाली की मांग रखी। मैं संगठन के तमाम लोगों से मिला। हरकिशोर तिवारी थे और अटेवा के दूसरे लोग भी थे, जिन्होंने ये मांग रखी। बाकायदा उनके साथ बैठक हुई। फाइनेंसियल एक्सपर्ट और रिटायर्ड अधिकारियों से बातचीत हुई। पुरानी पेंशन के तहत पैसे का इंतजाम कैसे होगा पर विचार-विमर्श हुआ। सारी चीजें फाइनल होने के बाद पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा की गई। मैं समझता हूं कि यूपी के सभी कर्मचारी चाहते थे कि पुरानी पेंशन बहाल हो। ऐसे में सपा ने कर्मचारियों की बात मानी। लोकतंत्र यही है जो जनता चाहती है, सरकार उसे करे।

● साइकिल का प्रचार आपसे ज्यादा पीएम ने कर दिया तो उनसे नाराजगी क्यों?

● नहीं, मैं नाराज नहीं था। प्रधानमंत्री साइकिल को लेकर चिंतित इसलिए हैं क्योंकि वे जानते हैं कि इस बार साइकिल उन्हें हराने जा रही है। साइकिल के बारे में जो भी कहा उन्होंने, वो अपनी नाकामी को लेकर वोट मांग रहे हैं। कम से कम उन्हें ये बताना चाहिए कि उस समय सरकार किसकी थी? मुख्यमंत्री कौन था? वहां का होम मिनिस्टर कौन था और जब होम मिनिस्टर था तो आखिरकार इतनी बड़ी घटना कैसे हो गई? बाद में उन्होंने साइकिल का नाम लिया तो नाकामी छिपाने के लिए मगर जनता सब जानती है।

● कानून व्यवस्था का मुद्दा क्यूं बनाते हैं बार-बार, मीडिया भी आप पर हमले क्यों करती है?

● भाजपा चाहती है कि जब भी समाजवादियों की सरकार आए तो लोगों में धारणा बन जाए कि सपा सरकार में कानून व्यवस्था ध्वस्त थी पर ऐसा नहीं है। हाथरस की बेटी के साथ जो घटना हुई, परिवार वालों के सामने दाह संस्कार तक नहीं किया गया। रात में चोरी से डीएम ने दाह संस्कार करवाया। लखनऊ में मल्टी नेशनल कंपनी में काम करने वाले व्यक्ति को गोली मार दी गयी। गोरखपुर में कानपुर के कारोबारी को इतना पीटा गया कि उसकी मौत हो गयी। उसके परिवारवालों को न्याय नहीं मिला। एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई। जब समाजवादियों ने मदद की तो पुलिस-प्रशासन के हाथ पैर फूले और एफआईआर दर्ज की गई। आज यूपी में आईपीएस फरार है और कोई बोल भी नहीं रहा है। वाह री सरकार। क्या मुख्यमंत्री के नॉलेज में नहीं कि आईपीएस फरार है।

● कैग की रिपोर्ट... कुंभ घोटाले के मेला अधिकारी गोरखपुर के डीएम हैं?

● जब कभी भी जांच होगी तो आप पाएंगे कि कुंभ में सबसे बड़ा घोटाला भाजपा ने किया। कुंभ ही क्यों। अयोध्या में भी जहां भगवान श्रीराम का मंदिर बन रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद किसी की हैसियत नहीं कि वह मंदिर को रोक दे, लेकिन यहां घोटाला किसने किया? पहले जो मुआवजा लोगों को मिलना चाहिए, वह नहीं दिया गया, जबरदस्ती उन पर मुकदमे लाद दिए गए। तमाम लोग सरयू में कूद गए। जनेऊ की कसम खाई कि जमीन नहीं देंगे पर जमीन ले ली गई। एयरपोर्ट के नाम पर जमीन ले ली गई पर कम से कम गरीब को मुआवजा ठीक मिलता। कानून व्यवस्था को लेकर जानबूझकर कुछ मीडिया हाउसों से मिलकर समाजवादी पार्टी को बदनाम किया जा रहा है। वे साजिश भी कर रहे हैं।

● आपकी सरकार में हर अपराध की घटना की खबर पर आपकी फोटो लगती थी टीवी चैनलों पर लेकिन अभी के सीएम की तस्वीर लगाने की हिम्मत कोई नहीं करता, दुख होता है आपको यह देखकर?

● मुझे लगता है कि वे लोग जो आज तस्वीर नहीं दिखाते हैं वे कहीं न कहीं डर रहे हैं या कोई बोझ ऐसा है जो बोल नहीं पा रहे हैं। मुझे लगता है कि सरकार के बजट का बोझ है उसकी वजह से वे तस्वीर नहीं दिखा पा रहे हैं।

● योगीजी पत्रकारों पर मुकदमे लगाते हैं और आप खिंचाई करते हैं?

● मैंने कई बार देखा हैं। खासकर आपके अखबार के लिए कहूंगा। 4पीएम अखबार मैंने ही लॉन्च किया था और कई बार अधिकारियों व अफसरों ने मुझे अखबार दिखाया कि देखिए आपने लॉन्च किया और आपके खिलाफ ही खबर निकल रही है तो मैंने कहा कि खबर को आप जानकारी मानिए और अगर कोई गलती कर रहा है तो उसे रोकिए। समाजवादी सरकार में जब

भी अखबारों में खबर छपती थी तो हम जानकारी मांगते थे और उस पर कार्रवाई करते थे लेकिन ये सरकार कमाल की है। ये सरकार अखबार वालों पर दबाव बनाती है, जैसे इत्र वाला पकड़ा गया, अखबार वालों ने कहा कि समाजवादी इत्र वाला, जिसने समाजवादी इत्र लॉन्च किया था। उस अखबार के मालिक ने फिर कहा, मुझसे गलती हो गई। एक अखबार दैनिक जागरण है, उसे पता नहीं क्या हो गया है। कानपुर में किसी ने हमें जानकारी दी है कि वह सरकार के लोगों के साथ मिलकर जमीन, प्लॉट और बिल्डिंग बना रहे हैं। मेट्रो बनाई समाजवादियों ने और पूरा विज्ञापन ले लिया दैनिक जागरण ने। समाजवादी सरकार में कई घोटाले इन्होंने किए। तब कार्रवाई हुई थी और आज देख लीजिए।

● आप पत्रकारों को डांटते हैं, अखबार के मालिक मैनेज हो जाते हैं?

● आने वाले समय में पत्रकार निष्पक्ष होंगे और मालिक भी निष्पक्ष काम करेंगे। जब निष्पक्ष काम होगा तो ही लोकतंत्र बचेगा लेकिन कुछ अखबार वाले...खासकर दैनिक जागरण। मुझे अब पता चला है कि अखबार कम बिजनेस ज्यादा कर रहे। उन्हें बिजनेस से मतलब है और जब कोई बिजनेस करेगा तो सरकार के खिलाफ कैसे लिख लेगा। सबसे बड़ा सवाल यह है। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब प्रेस को खुली छूट मिलेगी और सरकार में बैठे लोग उसकी जानकारी मांगे। सरकार की जिम्मेदारी है कि खबर प्रकाशित हुई है तो उस पर कार्रवाई करे तभी निष्पक्षता आएगी।

● आजकल नेताओं के मुकदमे वापस हो जाते हैं तो क्या पत्रकारों के मुकदमे भी वापस होंगे?

● हमारी सरकार में सभी पत्रकारों के साथ अच्छा व्यवहार होगा। उनकी सुरक्षा का इंतजाम होगा। मुझे याद है जब कभी पत्रकारों ने खबर प्रकाशित की कि मिड डे मील में बेईमानी हो रही है। लूट हो रही। भ्रष्टाचार हो रहा। दाल में पानी है, उस पर भी एफआईआर दर्ज हुई। बहुत सारी खबरें आती हैं कि पत्रकारों को परेशान करने, उन पर दबाव बनाने या अपनी मनमर्जी की खबरें चलवाने के लिए उन पर एफआईआर दर्ज की गयी। हमारी सरकार बनेगी तो ऐसे जितने भी झूठे मुकदमे हैं, वे वापस लिए जाएंगे।

● अफसर जो मुकदमे लगाते हैं वे तो आपकी तरफ आ रहे हैं?

● अफसर किसी के नहीं होते। अफसर सरकार के होते हैं। मुझे लगता है कि इन अफसरों को पता लग गया है कि सरकार बदल रही है। सरकार समाजवादियों की बनने वाली है तो आना कोई बड़ी बात नहीं।

● आपकी पार्टी अपनी ही चीजों का ब्रांड नहीं कर पाती है क्यों?

● कई बार चुनाव दूसरे मुद्दों पर होता है। मैंने बहुत से लोगों को देखा जिन्हें पता है कि ये समाजवादियों की ओर से बनवाई गई योजनाएं हैं लेकिन स्वीकार नहीं करते। मुझे उम्मीद है कि इस बार लखनऊ ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश के लोग कम से कम विकास और काम को वोट देंगे। जो सरकार काम करती है उसको वोट देंगे। लखनऊ में जो बड़े-बड़े काम हुए, जनता के हित के हैं। मेट्रो बनाना हो, पार्क बनाना हो, बस स्टैंड बनाना हो हमने जनता को सुविधाएं दी हैं। अच्छे-अच्छे हाईवे बनाएं और बड़े काम हुए, जैसे कैंसर इंस्टीट्यूट बनाया गया, अस्पताल बनाए गए, स्टेडियम बनाया गया, मंडी का किसान बाजार बनाया गया या शाम-ए-अवध बनाया गया है। सरकार ने आते ही वह बेच दिया। समाजवादी सरकार बनेगी तो जिन लोगों ने शाम-ए अवध को बेचा है जो आज कल फोनिक्स प्लानिसो मॉल है, उसकी जांच जरूर होगी। डिप्टी सीएम ने शिकायत की थी। मुख्यमंत्री को ये पता ही नहीं कि इतना बड़ा मॉल बिक गया।

विशेष साक्षात्कार में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के सवालों का बेबाकी से दिया जवाब

● मुख्यमंत्री, जनेश्वर मिश्र पार्क क्यों नहीं गए?

● मुझे लगता है कि हमारे मुख्यमंत्री को शौक नहीं है कि कोई अच्छा काम हो। कोई अच्छे काम करें तो उन्हें बुरा लगता है। हो सकता है कि उद्घाटन पहले हो गया इसलिए नहीं गए। हम तो उनसे कहेंगे कि अभी आचार संहिता में उद्घाटन पर उद्घाटन कर दो परमिशन लेकर चुनाव आयोग से। जनता को घूमने-फिरने के लिए पार्क बनाए हैं। कई बार लोगों का जीवन फ्लैट में कटता है और फ्लैट में पूरा परिवार रहता है। इन लोगों को खुली हवा नहीं मिल पाती इसलिए दुनियाभर में पार्क बने हैं। ये सिटी के हमारे लंग्स है। यहां एक-एक पेड़ अच्छा लगाया गया। यह इसीलिए भी किया गया ताकि लोगों में पर्यावरण के प्रति लगाव उत्पन्न हो। साथ ही वे यहां परिवार के साथ घूम सके। हमारे मुख्यमंत्री को पेड़ कटवाने का शौक है।

● सरकार आती है तो सपा की प्राथमिकताएं क्या होंगी?

● सरकार में हमने इंफ्रास्ट्रक्चर ठीक किया। शानदार एक्सप्रेसवे और सड़कें बनवाईं। मैं यूपी के लोगों को भरोसा दिलाता हूं कि ये सब और बेहतर होंगे। यूपी के किसी कोने से... चार से पांच घंटे में लोग एक स्थान से दूसरे स्थान जा सकेंगे। दिल्ली-मुंबई न जाना पड़े, इलाज यही मिल जाए। गरीबों को इलाज के लिए एक रुपया भी खर्च न करना पड़े। अस्पताल की व्यवस्थाएं सबसे पहले सुधारेंगे। एचसीएल सपा सरकार ही लाई है। कारखाने पिछली बार भी लगे। सैमसंग लगा। सोलर एनर्जी में तेजी आई। अबकी बार सरकार बनने पर साल दो साल में इतना काम कर देंगे कि नौकरी व रोजगार के अवसर यही पैदा हो जाएंगे, लोगों को रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे परिवार में खुशहाली आएंगी। नौकरी व रोजगार पर विशेष फोकस रहेगा।

● अपने ही खिलाफ छपी खबरों पर भी नाराज नहीं होते ये बड़ा प्रश्न है?

● खबर पर कभी नाराज नहीं होता। कम से कम लोकतंत्र में सुनने की और देखने की हिम्मत होनी चाहिए। कार्टून की किताब का विमोचन इसीलिए किया कि दूसरा पक्ष है वो क्या समझता है आखिर हमें। आपकी सच्चाई बता रही कि आखिर सोच क्या है आपके प्रति। ये उनकी सोच है, उनका तरीका है। मैं भरोसा दिलाता हूं कि पत्रकारों से कभी नाराजगी नहीं, हां मालिकों से थोड़ी नाराजगी जरूर है।

फरहान अख्तर संग शादी के बाद शिबानी दांडेकर हुईं

शिबानी दांडेकर अख्तर

फरहान अख्तर अपनी लॉन्ग टर्म गर्लफ्रेंड शिबानी दांडेकर के संग 19 फरवरी को शादी के बंधन में बंधे। ये कपल एक दूसरे को साल 2018 से डेट कर रहा था। शादी के कुछ दिन बाद शिबानी दांडेकर ने सोशल मीडिया पर अपना नाम बदल लिया है। अब उन्होंने शिबानी दांडेकर से शिबानी दांडेकर अख्तर कर लिया है। अपने इंस्टाग्राम बायो के अनुसार शिबानी दांडेकर अब मिसेज अख्तर बन चुकी हैं। शिबानी दांडेकर और फरहान अख्तर ने खंडाला में 19 फरवरी को शादी की। दोनों की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। शादी से पहले कभी भी फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर को उनके प्यार को छिपाते हुए नहीं देखा गया। फैंस के सामने सोशल मीडिया पर दोनों ने खुलकर अपने प्यार के रंग दिखाए हैं। मालूम हो शिबानी दांडेकर और फरहान अख्तर की मुलाकात एक रियलिटी शो के दौरान हुई की। साल 2015

बॉलीवुड | मसाला

में आई कैन डू इट रियलिटी शो को फरहान अख्तर होस्ट कर रहे थे, वहीं शिबानी दांडेकर कंटेस्टेंट थीं। शो के दौरान ही दोनों के अफेयर की चर्चाएं शुरू हो गई थीं। सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कयास लगाए जाने लगे। हालांकि शिबानी और फरहान ने भी अपने रिश्ते को ज्यादा समय तक नहीं छुपाया और दुनिया के सामने अपने प्यार का इजहार कर दिया। पहली बार दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की रिसेप्शन पार्टी में शिबानी और फरहान दोनों ही कपल के तौर पर पहुंचे थे। 2020 में शिबानी दांडेकर ने अपनी गर्दन पर फरहान अख्तर के नाम का टैटू बनवाया था।

बिग बी ने कृति सेनन को किराए पर दिया अपना आलीशान घर

अमिताभ बच्चन ने अपना मुंबई वाला आलीशान डुपलेक्स फ्लैट किराए पर दे दिया है। अमिताभ बच्चन का यह घर एक्ट्रेस कृति सेनन ने किराए पर लिया है। कृति सेनन जल्द ही अमिताभ बच्चन के घर में शिफ्ट होने वाली हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो एक्ट्रेस को करोड़ों रुपए किराए के तौर पर अमिताभ बच्चन को देने होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक कृति सेनन जिस घर में शिफ्ट होने जा रही हैं वह मुंबई के अंधेरी वेस्ट में लोखंडवाला रोड पर अटलांटिस बिल्डिंग में स्थित है। बिल्डिंग में 27 और 28 वें फ्लोर पर स्थित डुप्लैक्स फ्लैट काफी आलीशान है। कृति सेनन को इस फ्लैट के साथ चार गाड़ियों की पार्किंग का स्पेस भी मिला है। एक्ट्रेस ने अमिताभ बच्चन से यह घर दो साल के लिए किराए पर लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक कृति सेनन को हर महीने 10 लाख रुपए किराए के तौर पर देने होंगे यानी की साल भर का 1 करोड़ 20 लाख रुपए।

बॉलीवुड | मन की बात

शहनाज गिल ने फैंस को दिया मुंहतोड़ जवाब

बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट रह चुकीं शहनाज गिल सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। हाल ही में उन्होंने ट्विटर पर एक आस्क मी एनिथिंग सेशन रखा जिसमें उन्होंने अपने फैंस से बातचीत की। इस दौरान शहनाज ने कई फैंस के ट्वीट पर मजेदार रिप्लाई भी किए। एक फैन ने लिखा, 20 रुपये की पेप्सी, शहनाज गिल बहुत ही सेक्सी। शहनाज ने इसका जवाब देते हुए लिखा, तेरी ट्वीट की ऐसी की तैसी। हालांकि शहनाज ने मजाक में ऐसा कहा क्योंकि उन्होंने इस ट्वीट के साथ कई सारे लाफिंग इमोजी शेयर किए। कई अन्य फैंस ने भी अपनी ट्वीट के जरिए शहनाज से रिप्लाई लेने की कोशिश की। एक फैन ने लिखा, एक रिप्लाई की कीमत तुम क्या जानो शहनाज बाबू। शहनाज ने रिप्लाई करते हुए लिखा, शहनाज बाबू नहीं, शहनाज बेबी है। इसके बाद एक फैन ने ये धमकी दे डाली कि अगर शहनाज उन्हें रिप्लाई नहीं देंगी तो वो लंच नहीं करेंगे। शहनाज ने उस फैन को रिप्लाई में लिखा, उपवास सेहत के लिए अच्छा होता है। इसके बाद एक फैन ने शहनाज से ट्वीट में कहा कि उसकी तबियत ठीक नहीं है और वो एक हग चाहता है। इस पर शहनाज ने मजेदार अंदाज में कहा, छह फीट की दूरी रखिए, आपको वैलेंटाइन की नहीं, क्वारंटीन की जरूरत है। आपको बता दें कि शहनाज बिग बॉस 13 के बाद जाना-पहचाना नाम बन गई थीं। वह शो नहीं जीत पाई थीं लेकिन दर्शकों के दिल जीतने में कामयाब रही थीं।

इस मॉडल के एक दांत की लाखों में है कीमत, जानकर हो जाएंगे हैरान

सोशल मीडिया पर लोग अपने आप से जुड़ी अद्भुत स्टोरी शेयर करते रहते हैं। अब इस बीच एक अमेरिकी मॉडल ने इंटरनेट पर अपने एक अनुभव को लोगों के साथ शेयर किया है। इस मॉडल का नाम एली रे है जिसने अपने अजीबोगरीब अनुभव के बारे में लोगों को बताया है। एली का कहना है उनके एक फैन ने उनके दातों को ही मांग लिया था। इसके बदले वह उनको काफी पैसा देने के लिए भी तैयार था। आइए जानते हैं कि आखिर यह पूरा मामला क्या है? आजकल ज्यादातर लोग अपनी जीवन में घटी घटनाओं को सोशल मीडिया पर लोगों के साथ शेयर करते हैं। इनमें कई लोगों के साथ घटी घटनाएं बेहद हैरान करने वाली होती हैं। अमेरिकी मॉडल एली के साथ भी ऐसी अजोबीगरीब घटना घटी है जिसके बारे में उन्होंने लोगों को इंटरनेट पर बताया है। उन्होंने बताया कि उनका फैन उनके दातों से बहुत ज्यादा प्यार करता है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एली रे नाम की ये मॉडल अमेरिका के बोस्टन की रहने वाली हैं। एली रे ने बताया कि उनके फैन उनसे उनके दांत मांगे थे। उन्होंने बताया कि उनके फैन ने कहा था कि उसको उनके दातों से बहुत प्यार है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि उनका फैन दांत खरीदने की जिद करने लगा था। उसने एली को दांत के बदले 15 लाख रुपये देने का ऑफर दिया था। एली के फैंस ने उनसे दांत के डॉक्टर पर खर्च होने वाले पैसे को भी देने का वादा किया था। वह दांत निकलवाने और लगवाने का खर्च खुद दे रहा था। लेकिन फैन की मांग के बारे में जानकर मॉडल हैरत में पड़ गई थीं और अपने प्रशंसक को दांत देने से मना कर दिया था। एली का कहना है कि वह इस बारे में सोचकर हंसती हैं। एली रे नर्स का काम करती थीं, लेकिन अब उन्होंने इस काम को छोड़ दिया है। वह अपने पति के साथ एडल्ट कंटेंट बनाती हैं। उन्होंने करीब 15 सालों तक नर्स का काम किया था। अभी कुछ साल पहले ही उन्होंने इस फील्ड में कदम रखा है। अब वह अपने नए काम से लाखों रुपये कमाती हैं। अब उन्हें लोग करोड़पति एली रे कहकर बुलाते हैं।

अजब-गजब | दुनिया के सबसे क्रूर तानाशाह

इन तानाशाहों के नाम सुनते ही थर-थर कांपने लगते थे लोग

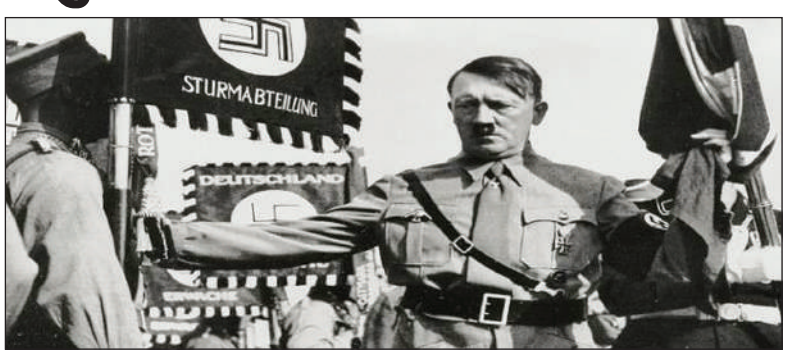

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन के बारे में तो आप जानते ही होंगे। वह अपने विरोधियों या अपने खिलाफ बगावत करने वालों को मौत की सजा से कम सजा नहीं देता। यही नहीं उसने लोगों के लिए खाने-पीने, कपड़े पहनने तक के नियम बनाए हैं अगर कोई इन नियमों का पालन नहीं करता उन्हें भी मौत की सजा होती है। आज हम आपको दुनिया के ऐसे ही कुछ तानाशाहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनका नाम सुनते ही लोग थर-थर कांपने लगते थे।

एडोल्फ हिटलर

सबसे पहले बात करते हैं हिटलर की। एडोल्फ हिटलर एक जर्मन तानाशाह था। वो राष्ट्रीय समाजवादी जर्मन कामगार पार्टी का लीडर था। उसकी क्रूरता के किस्से काफी मशहूर हैं। कहा जाता है कि हिटलर ही द्वितीय विश्व युद्ध का जिम्मेदार था। उसने पूरे यूरोप में यहूदियों को मार दिया था। कुछ साल पहले पौलेंड में हिटलर के शासन काल के दौरान इंसान की खाल से बना एक एलबम भी खोजा गया था। जिसमें तकरीबन 100 से ज्यादा तस्वीरें मिली थी।

किम जोंग उन

इन दिनों उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग की हार्ट सर्जरी के बाद उनकी हालत गंभीर बताई जा रही हैं। किम जोंग का नाम भी बेहद ही क्रूर तानाशाह की लिस्ट में आता है। बताया जाता है कि उसने अपने ही फूफा को जंगली कुत्तों के सामने शिकार के लिए डलवा दिया था। साथ ही अपनी बुआ को जहर देकर मार दिया था। साथ ही ये भी कहा जाता है कि सभी लोगों को उसके जैसी ही हेयर स्टाइल रखनी होती है। जो ऐसा नहीं करता उसे मार दिया जाता है।

मुअम्मर गद्दाफी

मुअम्मर गद्दाफी ने लीबिया पर 40 साल तक राज किया था। उनकी दो शादियां हुई थीं। उसके 6 लड़के और एक लड़की थी। बताया जाता है कि कॉलेज जाने वाली जो लड़की उसे अच्छी लगती थी वो उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता था। वो जब भी कहीं जाता था लोग उसे देखकर डर से कांपते थे।

याहया खान

पाकिस्तान के सैनिक तानाशाह और तीसरे राष्ट्रपति याहया खान थे। ढाका मुद्दे के कारण पाकिस्तान का सबसे बड़ा विलेन माना जाता है। कहा जाता है कि वर्ष 1971 में भारत-पाक का युद्ध याहया खान के कारण हुआ था।

सद्दाम हुसैन

इराक के पूर्व राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन हमेशा अपने हाथ में एक लोहे की छड़ रखते थे। उन्होंने वर्ष 1979 में अल बकर को गद्दी से हटाकर खुद बैठे थे। इसी के चलते तकरीबन 8 सालों तक युद्ध हुआ था। अमेरिकी सेना ने उसे 2006 में फांसी की सजा दी थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अपराधों का बढ़ता ग्राफ और पुलिस तंत्र

तमाम दावों के बावजूद यूपी में अपराधों का ग्राफ बढ़ता जा रहा है। हत्या, बलात्कार, लूट जैसी वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है। वहीं साइबर अपराधी भी आम आदमी को अपना शिकार बना रहे हैं। वे कभी नौकरी तो कभी अन्य तरीके से झांसा देकर लोगों को ठग कर रहे हैं। दूसरी ओर पुलिस तंत्र इन अपराधियों पर शिकंजा कसने में नाकाम साबित हो रही है। सवाल यह है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद हालात सुधर क्यों नहीं रहे हैं? शराब और भूमाफिया पर नकेल क्यों नहीं कसी जा रही है? अपराधों को अंजाम देकर अपराधी खुलेआम क्यों घूम रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है? क्या पुलिस और अपराधियों की मिलीभगत ने अपराधों के ग्राफ को बढ़ा दिया है? महिलाएं खुद को सुरक्षित क्यों नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या आम आदमी को सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है?

प्रदेश में अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का कोई असर पड़ता नहीं दिख रहा है। आए दिन हो रही आपराधिक वारदातों ने पुलिस के तमाम दावों की पोल खोल दी है। अभी तक संगठित और गैर संगठित अपराध ही होते थे लेकिन पिछले कुछ वर्षों में साइबर क्राइम की घटनाओं में इजाफा हुआ है। ये साइबर अपराधी लोगों के खाते से पलक झपकते पैसे उड़ा रहे हैं और इनको पकड़ने में पुलिस के पसीने छूट रहे हैं। साइबर सेल के बावजूद इन पर शिकंजा कसना मुश्किल होता जा रहा है। हकीकत यह है कि अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे पुलिस की लचर कार्यप्रणाली और लापरवाही जिम्मेदार है। हालत यह है कि थानों में अपराधों की संख्या कम दिखाने के लिए एफआईआर तक लिखने में कोताही बरती जाती है। यही नहीं कई मौकों पर पुलिस कर्मी पीड़ित पर आरोपी से समझौते का दबाव बनाते हैं। कई मामले ऐसे भी उजगार हुए हैं जब पुलिस अपराधियों के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम दिया है। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि अपराधी वारदातों को अंजाम देकर आराम से फरार हो जाते हैं और वर्षों तक वे गिरफ्तार तक नहीं हो पाते हैं। स्थानीय खुफिया तंत्र का हाल यह है कि उसे संगठित अपराधों की भनक तक नहीं लग पाती है। जाहिर है यदि सरकार अपराधों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे न केवल पुलिस व्यवस्था में आमूल परिवर्तन करना होगा बल्कि भ्रष्ट पुलिस कर्मियों को चिन्हित कर दंडित भी करना होगा। साथ ही मित्र पुलिसिंग की अवधारणा को भी जमीन पर उतारना होगा। अन्यथा हालात बदतर होते जाएंगे।

सवाल यह है कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? ताबड़तोड़ एनकाउंटर के बावजूद हालात सुधर क्यों नहीं रहे हैं? शराब और भूमाफिया पर नकेल क्यों नहीं कसी जा रही हैं? अपराधों को अंजाम देकर अपराधी खुलेआम क्यों घूम रहे हैं? क्या भ्रष्टाचार ने पूरे तंत्र को अपनी चपेट में ले लिया है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विपक्षी सरकारों ने यूपी के साथ नहीं किया न्याय: मोदी

- 2017 से पहले मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही थी जनता
- भाजपा सरकार में हुआ प्रदेश का विकास, चलायी जा रहीं कल्याणकारी योजनाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बाराबंकी और भगवान बुद्ध की धरती कौशांबी की चुनावी जनसभा में विपक्ष पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि घोर परिवारवादियों ने यूपी के साथ न्याय नहीं किया है। जनता की मूलभूत सुविधाओं से उनका कोई वास्ता नहीं है। उन्हें बैलेट दिखता है और हमें लोगों की जिंदगी।

कौशांबी के जिला मुख्यालय मंझनपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक वायरल वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि परिवारवादियों को चांदी का मुकुट तो लपककर पहनते देखा लेकिन गौतम बुद्ध की प्रतिमा स्वीकार नहीं की। यह भगवान बुद्ध, गरीबों और पिछड़ों का अपमान है। इतिहास गवाह है कि इनके हाथ में यूपी की सुरक्षा नहीं दी जा सकती है। इन्हें राष्ट्र के सम्मान से जुड़ी हर बात से दिक्तत है। उन्होंने अखिलेश के साथ राहुल को भी निशाने पर लेते हुए कहा कि आजादी के लिए अपना सर्वस्व योगदान देने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल को याद करने की इन लोगों को फुर्सत ही नहीं है। दशकों तक राज करने वाले घोर परिवारवादियों ने यूपी के साथ इंसाफ नहीं किया। लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसाया ताकि वह उनके तलवे चाटते रहें। उन्होंने कहा कि तीन तलाक ने मुस्लिम बेटियों को असुरक्षित कर दिया था। घोर परिवारवादियों ने मुस्लिम बेटियों की चिंता नहीं की। हमने मुस्लिम बेटियों को ही नहीं उनकी मां, पिता भाई को भी असुरक्षा के इस दुष्चक्र से मुक्ति दिलाई है क्योंकि तीन तलाक सुनकर घर लौटने वाली बेटियों के परिवारजन को कितना दर्द होता है सपा-बसपा-कांग्रेस को नहीं पता। हमने उनकी समस्याओं का निराकरण कराने के लिए स्कूल, कालेज, शौचालय बनवाए और आवास, उज्ज्वला, आयुष्मान, राशनकार्ड सहित विभिन्न योजनाओं में उन्हें प्राथमिकता दी। 2017 से पहले की सरकारों ने विकास न करवाकर इसकी आकांक्षाओं को सीमित करने का काम किया। भाजपा सरकार में लोगों में और अधिक विकास की चाह बढ़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा, किसान फल और सब्जी उपजाते हैं। पीएम सम्मान निधि इसमें सहयोग कर रही है। बाराबंकी में पांच लाख से अधिक किसानों को लाभ मिल रहा है। यहां के किसानों के खातों में बिना भेदभाव के 800 करोड़ रुपये भेजे गए। पीएम ने कहा, हम मानव ही नहीं पशुओं की भी चिंता करते हैं। उन्हें रोगमुक्त रखने के लिए 13 हजार करोड़ से पशु टीकाकरण कराया जा रहा है।

गोरखपुर में भाजपा प्रत्याशी के काफिले पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। जनपद के चिल्लूपार विधान सभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी व पूर्व मंत्री राजेश त्रिपाठी के काफिले पर बुधवार रात हमला किया गया। आरोप है कि गोला इलाके के कौड़िया गांव में जनसंपर्क के दौरान पूर्व जिला पंचायत सदस्य भरत यादव के दरवाजे पर मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करते हुए हमला किया है। लाठी डंडा लेकर रास्ता घेरने की कोशिश की और मारपीट पर उतारू हो गए। गनर और ग्रामीणों की मदद से किसी तरह से राजेश अपने समर्थकों के साथ निकले और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

- नामजद रिपोर्ट दर्ज पुलिस कर रही जांच

जानकारी के मुताबिक, भाजपा प्रत्याशी कौड़िया गांव में जनसंपर्क के लिए आए थे। भाजपा के बूथ अध्यक्ष उत्कर्ष के यहां समर्थकों संग जनसंपर्क करते पहुंचे। इस दौरान साथी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं प्रत्याशी राजेश त्रिपाठी के समर्थन में नारे लगा रहे थे। आरोप है कि पूर्व जिला पंचायत सदस्य भरत यादव के घर के सामने से गुजर रहे थे, अचानक 20-25 की संख्या में राजनीतिक दल विशेष का नारा लगाते हुए लोग एकत्र हो गए। राजेश का काफिला दलित बस्ती की ओर जा रहा था। वहीं लौटते समय बूथ अध्यक्ष के घर के पड़ोस में स्थित लोगों ने रास्ता रोक अभद्रता करना शुरू कर दी। भाजपा प्रत्याशी राजेश त्रिपाठी ने गोला पुलिस को 6 नामजद और 12 अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है।

नवाब मलिक की गिरफ्तारी पर माया ने तोड़ी चुप्पी

- कहा, यूपी चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक की गिरफ्तारी पर बसपा प्रमुख मायावती का बयान सामने आया है। मायावती ने ट्वीट करके भाजपा पर निशाना साधा। नवाब मलिक का नाम लिए बगैर मायावती ने कहा है कि कभी आतंकवाद तो कभी महाराष्ट्र में चल रही जांच एजेंसियों की गतिविधियों को भी लेकर उत्तर प्रदेश चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश हो रही है। बसपा प्रमुख मायावती ने ट्वीट में लिखा' उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा के आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए देश में कभी आतंकवाद के नाम पर व कभी महाराष्ट्र में चल रही जांच एजेन्सियों की गतिविधियों को भी लेकर जो कुछ हो रहा है, यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण। जनता जरूर सतर्क रहे। गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक की गिरफ्तारी के बाद सियासत गर्म हो गई है।

किसानों ने जब्त की भाजपा की जमानत

4पीएम की परिचर्चा में मतदाताओं के रुख पर चिंतन, उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चौथे चरण का मतदान संपन्न हो गया। लखीमपुर, पीलीभीत में ज्यादा मतदान से साफ है कि या तो बदलाव या साफ। फिलहाल किसानों ने बदलाव के लिए वोट किया है क्योंकि जो नाराजगी है, वो कहीं न कहीं दस मार्च के परिणाम को जरूर बदलेगी। ये सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार अरूणा सिंह, सबा नकवी, राजेश बादल, विकास जैन, केपी मलिक, अभिषेक कुमार और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

सबा नकवी ने कहा, मूड सपा की तरफ और अधिकारी भाजपा की तरफ। सरोजनीनगर सीट पर इसका दिख रहा। ईडी में रहे राजेश्वर सिंह भाजपा की सेवा कर रहे थे या फिर सरकार की। एक दिन में टिकट, आखिर बीजेपी की सेवा क्या की।

राजेश बादल ने कहा आप लोगों के लिए दूर हो जाते हो, जब आप काम नहीं करते हो। केंद्रीय मंत्री को चुनाव में पसीने आ रहे हैं। लोग आईना दिखाने का काम कर रहे। दस मार्च को साफ हो जाएगा कि जो लोग सांप्रदायिकता भड़काते हैं उनको समाज नकार देगा। अरूणा सिंह ने कहा लखीमपुर में किसानों ने भाजपा की जमानत जब्त कर दी। किसान कुचले गए, आखिरकार बदला ले लिया।

विकास जैन ने कहा बिना बोले किस बात को बोल दे, ये सफा हैं। छत्तीसगढ़ में कई साल पहले बघेल ने कलेक्टर को टिकट दे दिया था, आज वहीं हाल राजेश्वर सिंह का। वरूण गांधी इनके लिए प्रॉब्लम नहीं, प्रॉब्लम सोच है। ऐसे में लखीमपुर, सीतापुर व पीलीभीत में आदमी डरा हुआ नहीं बल्कि खुलकर मतदान किया, साफ है कि वो बदलाव के लिए हैं। केपी मलिक ने कहा, वरूण गांधी के ट्वीट को सभी ने देखा। भाजपा ने भी देखा। वरूण हमेशा किसानों के हित की बात करते हैं तो उनके ट्वीट का फर्क चौथे चरण में जरूर पड़ेगा। खुशी दुबे जेल में हैं, जिन्होंने सरेआम किसानों पर गाड़ी चढ़ाई, वो खुलेआम रोड शो कर रहे हैं, यही लोकतंत्र है? अभिषेक कुमार ने कहा, यूपी में बदलाव की लहर है। चार चरणों में स्पष्ट हो चुका है, प्रदेश में बदलाव दिख रहा है। बाकी तीन जो चरण बचे है, उसमें गहलोत सरकार की पुरानी पेंशन बहाली के मास्टर स्ट्रोक का फर्क जरूर पड़ेगा। अब बाकी के चरणों में बीजेपी के बयान तीखे होंगे मगर फायदा मिलने वाला नहीं है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

उन्नाव में युवती का शव मिलने से सनसनी

- हत्या कर शव फेंकने की जताई जा रही आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। आज सुबह गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गगनीखेड़ा के पास कान्हा गोशाला व रेलवे ट्रैक के बीच खंती में युवती का शव पड़ा देखकर क्षेत्रीय लोगों में सनसनी फैल गई। पुलिस की प्राथमिक छानबीन में हत्या के बाद शव फेंकने की बात कही जा रही है। युवती की उम्र करीब 30 वर्ष होना बताया जा रहा है लेकिन अभी तक पहचान न होने से हत्या की वजह का पता नहीं लग सका है।

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के गगनीखेड़ा के पास स्थित कान्हा गोशाला व रेलवे ट्रैक के बीच खंती में आज सुबह लगभग 30 वर्षीय युवती का शव पड़ा मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती कौन है और यहां कैसे पहुंची इसका पता लगाने का प्रयास शुरू किया है। गले में काला निशान होने से हत्या करके शव फेंकने की आशंका जताई जा रही है। पश्चिमी गंगाघाट चौकी इंचार्ज लोकनाथ गुप्ता ने बताया कि युवती धानी रंग का सफेद लाइनदार सलवार सूट और रंगबिरंगी गर्म कोटी पहने है। शिनाख्त करायी जा रही है।

प्रयागराज में भाजपा पर बरसे अखिलेश, बोले

शिक्षा विभाग में करेंगे भर्ती

» सरकार बनने पर नौजवानों को उपलब्ध कराएंगे रोजगार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आज प्रयागराज में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व अमित शाह पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा ये जो बाबा मुख्यमंत्री है, भूल गए कि पांचवें चरण में प्रयागराज जाना है। अरे जो गर्मी निकाल रहे हैं, इस बार यहां के नौजवान गर्मी निकाल देंगे। फौज में नौकरी तक निकाली भाजपा के बड़े मंत्री ने जबकि समाजवादी सरकार बनने पर पहला कदम नौजवानों को नौकरी देने के लिए हम उठाएंगे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आयोजित जनसभा में भाजपा पर चुन-चुन कर वार किए। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चरणों में चुनाव आगे बढ़ा है उससे लग रहा है कि जनता सपा गठबंधन को समर्थन दे रही है। सभी चरणों में सपा को बढ़त मिली है। जनता सपा गठबंधन की ऐतिहासिक बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि जनसैलाब देखकर भाजपा के नेता अदृश्य हो जाएंगे। ऐसा चुनाव पहली बार देखने को मिल रहा है जहां जनता चुनाव लड़ रही है। भाजपा नेताओं के घरों और गाड़ियों ने झंडे उतर गए हैं। जो कह रहे थे गर्मी निकाल देंगे उनके नेता और कार्यकर्ता सन्न हो गए। पांचवें चरण के चुनाव में भाजपा शून्य हो जाएगी। भाजपा का जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहे हैं। भाजपा ने किसानों के आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन किसी की आय दोगुनी नहीं हुई। खाद की बोरी से चोरी हो गयी। धान खरीद में लूट हुई।

अखिलेश बोले इनकी सरकार में महंगाई बढ़ ही रही। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए। ये दोबारा आ गए तो पेट्रोल दो सौ रुपये लीटर बिकेगा। भाजपा सरकार सब कुछ बेच रही है। अब तो रेलगाड़ी भी बेच रहे हैं। उद्योगपति बैंकों का पैसा लेकर भाग ले गए। अखिलेश ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर पुरानी पेंशन बहाल करेंगे। साथ ही शिक्षा विभाग में भी भर्ती करेंगे। स्कूलों के खाली पद भरेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी चुनाव में हर दांव पेंच अजमा रही है। चुनाव में कहां तक गिर सकती हैं बीजेपी, उसकी हर चाल जनता समझ चुकी है। इसलिए अपील है कि सभी सपा प्रत्याशियों को जिताए।

यूपी में छुट्टा पशुओं के कारण किसान त्रस्त : भूपेश बघेल

» सीएम के निवास स्थल पर छोड़ दें छुट्टा पशु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बेसहारा पशुओं की समस्या पर यूपी सरकार को घेरा। बोले, तीन चरण के चुनाव तक प्रधानमंत्री मोदी से लगायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जाति-धर्म पर ही बात की। अब छुट्टा पशुओं का मुद्दा उठा तो इस समस्या पर बोलने लगे। ग्रामीण विधानसभा के सेंदुली बेंदुली में कांग्रेस प्रत्याशी देवेंद्र निषाद के समर्थन में जनसभा करने पहुंचे भूपेश बघेल ने कहा कि छुट्टा पशुओं के कारण किसान त्रस्त हैं।

किसानों की उपज बर्बाद हो रही है। ठंड, गर्मी और बारिश में किसान खुद की जान जोखिम में डालकर छुट्टा पशुओं से उपज बचाने के लिए खेत में रात-रात भर रहते हैं। कहा कि किसान छुट्टा पशुओं को पकड़कर मुख्यमंत्री के निवास स्थल पर छोड़ दें। अब तक कुछ न बोलने पर प्रधानमंत्री ने छुट्टा पशुओं के मुद्दे पर 10 मार्च के बाद नीति बनाने की बात कहनी शुरू कर दी है। यह नीति छत्तीसगढ़ में काफी पहले ही बन गई है। उन्होंने कहा कि हमने पशुपालकों के लिए पशुधन को कमाई का जरिया बना दिया है। सरकार ने पशुपालकों से गोबर खरीदा और इसके एवज में 36 करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान भी कर दिया है। उन्होंने गेहूं, गन्ना, धान आदि फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर चर्चा की और कहा कि छत्तीसगढ़ की तरह उत्तर प्रदेश में भी इसे लागू किया जाएगा। कहा कि छत्तीसगढ़ में मछली पालन को भी कृषि का दर्जा दिया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के सामने किसान, महिलाएं, युवा अपनी समस्या नहीं कह पा रहे हैं। कपड़ा, जूता, पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस समेत सभी वस्तुओं की कीमतों में आग लगी हुई है।

आरक्षित वर्ग के साथ हमेशा खड़ी रहूंगी : अनुप्रिया पटेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में चार चरण की वोटिंग हो चुकी है। अंतिम तीन चरण के चुनाव जिन इलाकों में होने जा रहे हैं वहां भाजपा की सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) की भूमिका अहम हो जाती है। सामाजिक न्याय के लिए लड़ने की बातें करने वाली अपना दल की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल को इस बार अपनी ही बहन से चुनौती मिल रही है।

पिछड़ों के हित, मां-बहन से मिल रही चुनौती को लेकर अनुप्रिया पटेल कहती हैं कि यह कहना उचित नहीं होगा कि भाजपा में पिछड़ों का हित सुरक्षित नहीं है। इसी राजग सरकार ने नीट में ओबीसी आरक्षण का हल निकाला। ओबीसी वर्ग का ऑल इंडिया कोटा में 27 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित किया। ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगाने वालों ने जब 2007 में नीट में ओबीसी आरक्षण लागू नहीं किया गया तो इनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला। 100 प्वाइंट रोस्टर मामला हो या ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने का। सैनिक, केंद्रीय और नवोदय विद्यालय में ओबीसी वर्ग को प्रवेश में आरक्षण देने का फैसला भी इसी सरकार का है। जहां तक 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले की बात है तो मैंने वाकई इसे हर मंच पर उठाया। इसका भी निराकरण किया गया।

सीएम योगी को कुटिया बनाने के लिए उत्तराखंड में दूंगा जमीन : हरीश रावत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में चुनाव संपन्न होने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत उत्तर प्रदेश में पार्टी के प्रचार में जुट गए हैं। आज प्रयागराज पहुंचे हरीश रावत ने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा और कहा कि हार के बाद उन्हें कुटिया बनाने के लिए उत्तराखंड में जमीन दे देंगे।

उन्होंने यह भी दावा किया कि उत्तराखंड में बीजेपी की हार होगी। चुनाव के नतीजे घोषित होने से पहले ही सीएम पद के लिए दावेदारी जताने में जुटे हरीश रावत ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस को बहुमत मिलेगा। उन्होंने यूपी में भी बीजेपी की हार का दावा करते हुए सीएम योगी पर कटाक्ष किया। हरीश रावत ने कहा कि बीजेपी को उत्तराखंड से भगा दिया गया है। हम सीएम योगी को (यूपी में चुनाव हारने के बाद) उत्तराखंड में कुटिया बनाने के लिए जगह दे देंगे। हरीश रावत ने कहा कि दस मार्च को योगी को पता चल जाएगा कि जनता भाजपा से कितनी नाराज है। चार चरणों में यह स्पष्ट हो चुका है। गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ का जन्म अविभाजित यूपी के पौड़ी गढ़वाल में हुआ था, जो अब उत्तराखंड में है।

पुरोहित कल्याण बोर्ड गठित करेगी यूपी सरकार

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार पुरोहितों और बुजुर्ग संतों के हित में बड़ा कदम उठाएगी। सरकार प्रदेश में पुरोहित कल्याण बोर्ड गठित करेगी। मुख्यमंत्री योगी ने ट्वीट के माध्यम से यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा हम संस्कृत के हर विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए विशेष छात्रवृत्ति की व्यवस्था करने जा रहे हैं। कथा व्यास शास्त्री शिवाकांत महाराज ने बीते दिनों सीएम योगी से मुलाकात कर पुजारियों, पुरोहितों के हित में उनके सम्मुख यह मांगें रखी थीं। मुख्यमंत्री की ओर से मांगों को स्वीकार करते हुए पुरोहित कल्याण बोर्ड का गठन करने पर शिवाकांत महाराज ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया है।

वोटर लिस्ट में डिप्टी सीएम के चाचा का नाम गायब!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में मतदाता सूची में गड़बड़ियों ने लखनऊ को रिकॉर्ड मतदान के लक्ष्य को हासिल करने से रोक दिया। बड़ी संख्या में पोलिंग बूथों से मतदाता बिना वोट डाले ही मतदान केन्द्र से मायूस होकर घर लौट गए, जिसका असर राजधानी के मतदान प्रतिशत पर पड़ा। हाईप्रोफाइल नामों में उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा के चाचा कैलाश चंद्र शर्मा व शायर मुनव्वर राणा का नाम गायब मिला।

बीकेटी विधानसभा के रेवामऊ गांव में बीएलओ की लापरवाही से 250 मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से गायब हो गए। अमरेंद्र कुमार ने बताया कि पिछली विधानसभा में सभी ने वोट डाले थे लेकिन बीएलओ की लापरवाही से मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग नहीं कर पाए। इसकी शिकायत लिखित में बीकेटी विधानसभा के रिटर्निंग आफिसर से की है, उन्होंने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। इसी तरह दिन भर कई मतदाता भटकते नजर आए।

बगावत जैसी कोई बात नहीं, बेटे की सिर्फ शिष्टाचार मुलाकात थी : रीता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा भाजपा सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पुत्र मयंक जोशी से मुलाकात सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बन गई है। अखिलेश यादव द्वारा मुलाकात की फोटो ट्वीट किए जाने के एक दिन बाद सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी ने इस मामले में अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि वह सिर्फ शिष्टाचार मुलाकात है। इसके सियासी मयाने न निकाले जाएं।

सांसद रीता ने कहा कि सोशल मीडिया में प्रचारित किया जा रहा है कि मयंक बागवत कर रहे हैं। अगर मयंक को बगावत ही करनी होती तो भाजपा द्वारा टिकट न देने के बाद वह चाहते तो लखनऊ कैंट से नामांकन कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। सांसद डा. रीता बहुगणा जोशी ने बताया कल जब वह गृहमंत्री अमित शाह के साथ रोड शो करके अपने घर पहुंची तो उनके संज्ञान में आया कि मयंक जोशी ने लखनऊ में अखिलेश यादव से मुलाकात की है। मैंने जब मयंक से इस बारे में कंफर्म किया तो उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव से मेरी शिष्टाचार मुलाकात हुई है। सूत्र बताते हैं कि सांसद डॉ. रीता बहुगुणा द्वारा भाजपा से मयंक जोशी के लिए लखनऊ कैंट सीट से जब टिकट मांगी जा रही थी, उस दौरान सपा की तरफ से मयंक को टिकट का ऑफर दिया गया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।